सांध्य दैनिक
4PM

आप जो करने से डरते हैं उसे करिए और करते रहिये, अपने डर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।
-डेल कार्नेगी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 286 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 24 नवम्बर, 2023

रोमांचक मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को... 7 | यूपी : बड़े से लेकर छोटे दल चलाएंगे... 3 | भगवा रंग त्यागियों का, बीजेपी वाले... 2

राजस्थान में कल होगा मतदान, ईवीएम में कैद होगी सियासी दलों की किस्मत

सुबह सात बजे से पड़ेंगे वोट, पोलिंग पार्टियां तैयार

- कांग्रेस और बीजेपी में है सीधी टक्कर
- 199 सीटों पर ही होगी वोटिंग
- विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,507 मतदान केन्द्र
- 5,26,90,146 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

3 दिसंबर को पता चलेगा किसके सिर सजेगा ताज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कल 25 नवंबर को राजस्थान में राजनैतिक दलों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो जाएगा। भाग्य का फैसला 3 दिसंबर को पता चलेगा की किसको सत्ता मिलती है और कौन सत्ता से दूर होता है। वहीं 23 नवंबर को चुनावी प्रचार भी थम गया। चूंकि मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस में है इसलिए दोनों दलों के बीच चुनाव प्रचार के दौरान एक दूसरे पर हल्लाबोल जारी रहा। राजस्थान में कल सुबह 7 बजे से वोटिंग होनी है। राज्य में कुल 200 विधानसभा सीट हैं, लेकिन करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर का निधन हो गया है, जिसके कारण अब 199 सीटों पर ही मतदान होगा।

निर्वाचन आयोग के एक बयान के अनुसार, मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,507 मतदान केन्द्र और 5,26,90,146 मतदाता हैं, राज्य में 18-30 आयु वर्ग के 1,70,99,334 युवा मतदाता हैं, जिनमें 18-19 आयु वर्ग के 22,61,008 नव मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1,02,290 सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। आज पोलिंग पार्टियां भी रवाना हो जाएंगी। राजस्थान में कुल 36,101 स्थानों पर मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें से 26,393 मतदान केन्द्रों पर लाइव वेबकास्टिंग करवाई जाएगी। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से इन मतदान केंद्रों पर निगरानी की जाएगी। जिलों में निर्वाचन अधिकारी सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं विधानसभा चुनाव में खपाने ले जाई जा रही अवैध शराब व वोटरों को बांटे जाने वाले पैसों को पुलिस ने जब्त कर लिया ।

बीजेपी और कांग्रेस ने झोंकी ताकत

गहलोत ने पायलट का वीडियो किया शेयर

जनता से की कांग्रेस को वोट देने की अपील

लग रहा है कांग्रेस ने अपनी पार्टी के सभी मतभेद खत्म कर लिए है। लंबे समय से चली आ रही राजस्थान कांग्रेस के अंदर की लड़ाई अब चुनाव से पहले ठीक हो गयी है। सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसको देखने के बाद लोग यह अनुमान लगाने लगे हैं। राजस्थान में मतदान से एक दिन पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किया। इस वीडियो में पायलट लोगों से पुरानी बातें भुलाकर कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को जिताने की अपील कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गुर्जरों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए सीधा हमला बोला था। गहलोत ने पायलट का 1.51 मिनट का वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा है, ''कांग्रेस के युवा नेता सचिन पायलट जी की राजस्थान के लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील।'' वीडियो में पायलट लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए कह रहे हैं कि मतदाताओं के फीडबैक, जनता की प्रतिक्रिया और रुझान से साफ है कि आने वाले समय में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने लोगों से कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताने की अपील की है। वीडियो में उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है, ''पिछले कुछ हफ्तों में हम सब लोग पार्टी के लिए प्रचार करने अलग अलग जगह गए। जो प्रतिक्रिया, फीडबैक मिला है और मतदाताओं का जो रूझान है उसे देखकर स्पष्ट है कि आने वाले समय में सरकार कांग्रेस पार्टी की बनने जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''तीस साल की जो परंपरा है कि पांच साल भाजपा, पांच साल कांग्रेस; उस रिवाज में परिवर्तन आएगा और एक बार पुन: सभी लोग कांग्रेस पार्टी को अपना आशीर्वाद देंगे।''उन्होंने कहा, ''यह जीत कांग्रेस की जीत होगी, जनता की जीत होगी और आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हमने जो योजनाएं चालू की हैं उनको रोकने की भाजपा की सोच को हम कामयाब नहीं होने देंगे।

तेलंगाना में प्रचार ने पकड़ी रफ्तार

तेलंगाना में मतदान के लिए 6 दिन बचे हैं। यहां सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस चुनावी मैदान में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), कांग्रेस और बीजेपी तीन अहम खिलाड़ी हैं, तीनों ही पार्टियां तेलंगाना के लिए अपना मेनिफेस्टो जारी कर चुकी हैं, कोई धर्म के सहारे वोटर को लुभाने में लगा है तो किसी ने जाति का मुद्दा उठाकर मतदाता को साधने का प्लान बनाया है। देखना ये है कि वोटर किस मेनिफेस्टो को तरजीह देते हुए मतदान करेगा। फिलहाल नतीजों से हटकर देखें तो तीनों ही दल अपने-अपने मेनिफेस्टो को बेहतर बता रहे हैं और जनता के भारी समर्थन का दावा कर रहे हैं। बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में धर्म आधारित आरक्षण को हटाने, रोहिंग्या और अन्य अवैध आप्रवासियों का निर्वासन, गोहत्या के खिलाफ कार्रवाई करने जैसे वादे किए हैं, धर्म से अलग बीजेपी ने जाति के जरिये भी वोटरों को लुभाने की कोशिश की है, पार्टी ने ओबीसी समुदाय से मुख्यमंत्री, विशेष बीसी विकास निधि और एससी और एसटी की रिक्तियों को तेजी से भरने का वादा किया है। जाति के मोर्चे को भुनाते हुए कांग्रेस भी आगे निकलने की होड़ में है, कांग्रेस ने

» अल्लाह फिर हमारी सरकार बनाएंगे : केसीआर

मेनिफेस्टो में जाति जनगणना और आनुपातिक आरक्षण का वादा किया है, कांग्रेस सबसे बड़े जाति-आधारित वोट बैंक के उद्देश्य से बीसी को लुभाने की कोशिश कर रही है, इसके अलावा कांग्रेस ने जाति जनगणना का वादा किया है। बीआरएस वैसे तो एससी-एसटी और ओबीसी को साथ लेकर चलने की बात कह रही है, लेकिन उसके सामने चुनौती ये है कि वह फिलहाल अपने पिछले वादे को ही पूरा नहीं कर पाई है। उसने एक दलित मुख्यमंत्री नियुक्त करने की बात कही थी। तेलंगाना में जैसे-जैसे मतदान का समय करीब आ रहा है वैसे-वैसे तुष्टिकरण की राजनीति जोर पकड़ने लगी है। मुख्यमंत्री केसीआर और उनके करीबी असदुद्दीन ओवैसी खुलकर अपनी सभाओं में मुस्लिम मुस्लिम कर रहे हैं दूसरी ओर कांग्रेस भी खुद को मुस्लिमों का सबसे बड़ा हितैषी साबित करने में लगी हुई है। दस साल से तेलंगाना की सत्ता में जमे मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव दावा कर रहे हैं कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में अल्पसंख्यकों के लिए मात्र दो हजार करोड़ रुपए खर्च किये जबकि उनके नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति की सरकार ने दस साल में अल्पसंख्यकों के विकास पर 12 हजार करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च की। केसीआर अपनी सभाओं में उम्मीद जता रहे हैं कि अल्लाह ने चाहा तो तेलंगाना एक बार फिर उनके पास आयेगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा देश में माहौल खराब कर रही है। इसमें किसी का कोई फ़ायदा नहीं है। यह उनके लिए स्थायी कार्यकाल नहीं होगा। डरने की कोई जरूरत नहीं है। उनका कार्यकाल बस कुछ और दिन ही है। वे हमेशा के लिये नहीं रहेंगे। जब लोगों को एहसास होगा तो वे उन्हें बाहर निकाल देंगे। फिर, यह खुशहाली वाला देश होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार मुसलमानों एवं हिंदुओं को दो आंखों की तरह मानती है और सभी को साथ लेकर चलती है।

भगवा रंग त्यागियों का, बीजेपी वाले भोगी हैं: ममता

पापियों की मौजूदगी वाले मैच को छोड़ हमारी टीम ने सभी मैच जीते

» बोलीं-केंद्रीय एजेंसियां 2024 के आम चुनावों के बाद भाजपा के पीछे पड़ जाएंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने विरोध किया इसलिए भारतीय टीम को मैच के दौरान भगवा रंग की जर्सी नहीं पहननी पड़ी। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा रंग 'त्यागियों' का है, लेकिन आप 'भोगी' हैं। उन्होंने कहा कि ने विरोध किया इसलिए भारतीय टीम को मैच के दौरान भगवा रंग की जर्सी नहीं पहननी पड़ी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि केंद्र में यह सरकार तीन महीने और रहेगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में तस्करी के लिए अलग-अलग राज्यों से गाय लाई जाती हैं, वहां 'पैसे' कौन लेता है। उन्होंने कहा कि देश के बैंकिंग क्षेत्र में निराशा का माहौल, सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) बेचे जा रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी बड़ी आईटी कंपनियां कोलकाता की 'सिलिकॉन वैली' परियोजना में निवेश कर रही हैं। ममता का कहना है कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता। वहीं उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम ने विश्व कप में पापियों की मौजूदगी वाले मैच को छोड़कर सभी मैच जीते।

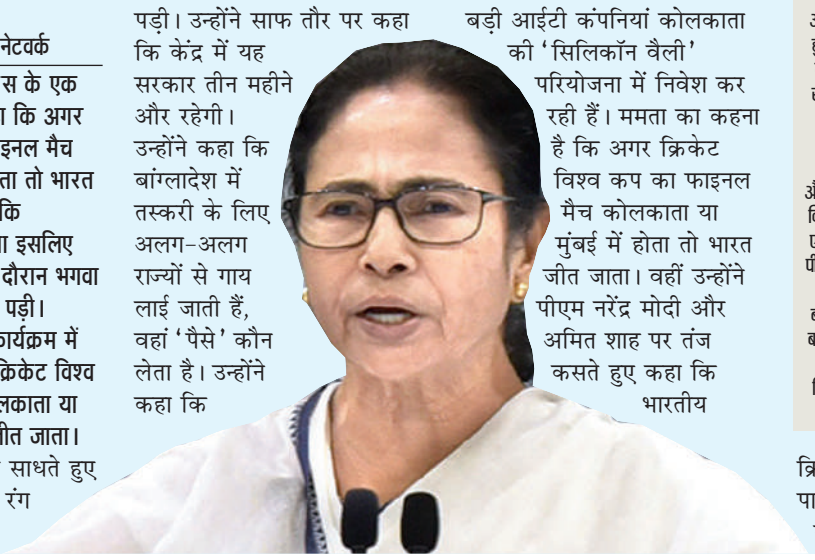

मोइत्रा को लोस से निष्कासित करने की साजिश

अपनी पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा पर चुप्पी तोड़ते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की योजना बनाई जा रही है, लेकिन चुनाव से पहले इस कदम से उन्हें मदद मिलेगी। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है और वह इसका विरोध करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियां 2024 के आम चुनावों के बाद भाजपा के पीछे पड़ जाएंगी। नेताजी इंडोर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक से तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बीजेपी को कड़ी चेतावनी दी। ममता एक बार फिर केंद्र के गैरिकीकरण की बात करने लगी हैं। संयोग से विश्व कप फाइनल में हार के बाद विपक्ष ने एक साथ प्रधानमंत्री पर निशाना साधना शुरू कर दिया।

क्रिकेट को पॉलिटिकल एजेंडा बनाना ठीक नहीं: शमी

» पनौती वाले बयान पर शमी ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पनौती मामले में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की प्रतिक्रिया सामने आई है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श द्वारा ट्रॉफी पर पैर रखकर बैठने पर भी प्रतिक्रिया दी है। अमरोहा में शमी ने कहा- विवाद वाले सवाल मेरी समझ में नहीं आते। बुनियादी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। दो महीने तक टीम इंडिया ने कड़ी मेहनत की इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पॉलिटिकल एजेंडा जो बीच में आप लोग लाते हैं, वह मुझे समझ नहीं आता। शमी ने पीएम मोदी से मुलाकात पर भी बात की। उन्होंने कहा- यह काफी महत्वपूर्ण है।

जब प्रधानमंत्री आपको प्रोत्साहित करते हैं तो इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। तब आपका मनोबल गिरा हुआ होता है और पीएम के बात करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। यह कुछ अलग है। उधर ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वह एक सोफे पर बैठे हुए दिखे थे और उनके पैर विश्व कप ट्रॉफी पर थे। इस फोटो पर खूब बवाल हुआ था और कई फैंस ने उन्हें ट्रॉफी का सम्मान करने को कहा था। अब इस पर शमी ने बयान दिया है। शमी ने कहा- मैं इससे आहत हूं। जिस ट्रॉफी के लिए पूरी दुनिया मैदान में भिड़ती है, जिस ट्रॉफी को आप अपने सिर पर रखना चाहते हैं, उस ट्रॉफी पर पैर रखना मुझे गुस्सा दिलाता है।

जो सांड़ से बचा न पाए वो सरकार किस काम की : अखिलेश

» योगी पर साधा निशाना, बोले- भाजपा बुनियादी सवालों के बजाए धार्मिक मुद्दों पर लड़ती है चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। मैनपुरी के बेवर क्षेत्र के गांव घुटारा में एक सभा को संबोधित करने पहुंचे सपा प्रमुख ने भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि जनता को मुख्यमंत्री सांड से सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। सड़कों पर बच्चे और बूढ़े सांड के डर से निकल नहीं पा रहे हैं। ऐसी सरकार जनता के किस काम की। पूर्व पैक्सफेड चेयरमैन तोमाराम यादव द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहुंचे।

इंडिया गठबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं को लेकर उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ भाजपा को रोकना है। गठबंधन के सभी दलों को इसी सोच के साथ काम करना चाहिए। रणनीति तैयार करनी चाहिए कि आखिर कैसे भाजपा का मुकाबला किया जाए। सैफई में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का दौरान निरस्त होने पर उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम ने मेडिकल कॉलेज का ठेका एक राष्ट्रीय कंपनी से छीनकर अपने चेले को दे दिया। इसलिए वे सैफई नहीं आए।

भाजपा ने पूरे देश को धोखा दिया: उमर

» बोले- 370 के खत्म होने के बाद भी हो रहीं मुठभेड़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला इस ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कहा था कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद आतंकवाद खत्म हो जाएगा, लेकिन अब भी मुठभेड़ें हो रही हैं। अब्दुल्ला ने कुलगाम के मालवान में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा, हमें बताया गया कि अगर कश्मीर में बंदूकें हैं, तो यह केवल धारा 370 के कारण है।

अगर कश्मीर में अलग मानसिकता वाले लोग हैं, तो यह धारा 370 के कारण ही है। अगर धारा 370 खत्म हो गई तो बंदूकों से राहत मिलेगी और सब कुछ ठीक हो जाएगा। अभी एक सप्ताह भी नहीं हुआ है जब इस इलाके में मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में 5 लोग मारे गए। सरकार ने कहा कि वे आतंकवादी थे। उनमें से चार ने 2020 में और पांचवें ने 2021 में हथियार उठाए...यह 2019 के बाद था...यह आपकी (सरकार की) विफलता को दर्शाता है। यह आपके धोखे को दर्शाता है। आपने लोगों को धोखा दिया केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि पूरा देश भी। वहीं जम्मू के बड़े नेता ने यूपी में हलाल सार्टिफिकेट पर मची घमासान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार मुस्लिमों के घर में घुसकर छापेमारी कर उन्हें डराया है। यह अनुचित कार्रवाई है।

पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह को मिली जमानत

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी (डीएसएसपी) के प्रमुख एवं पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह को जमानत मिल गई है। उनकी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने यह जानकारी दी।लाल सिंह को एक विशेष अदालत द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका आगे न बढ़ाने के बाद सात नवंबर को जम्मू के सैनिक कॉलोनी में एक घर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उनके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया था। लाल सिंह की पत्नी और पूर्व विधायक कांता अंडोत्रा द्वारा संचालित आरबी एजुकेशनल ट्रस्ट के लिए भूमि खरीद में कथित अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

बिहार ने हमेशा देश को दिखाई दिशा : तेजस्वी

» बोले- विशेष राज्य की मुहिम तेज करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद के नेता व बिहार डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार ने हमेशा देश को एक नई दिशा दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के पास जाति आधारित जनगणना का अपना साइंटिफिक डेटा है। हर जाति के लोगों में गरीबी है। राज्य सरकार सभी जाति के गरीबों के लिए कल्याणकारी योजना बनाएगी। बिहार सरकार गरीबों को घर के लिए जमीन खरीदने के लिए 1 लाख रुपये की सहायता देगी।

इसके अलावा मकान बनाने के लिए 1 लाख रुपये और भूमिहीन को भूमि के लिए सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। नीतीश कैबिनेट ने केंद्र से विशेष राज्य के दर्जे की मांग से संबंधित प्रस्ताव पास किया है। इसके अलावा आरक्षण की सीमा बढ़ाने के मामले में भी केंद्र से नौवीं अनुसूची में डालने का दो अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी है। बुधवार को कैबिनेट से प्रस्ताव पारित करने के बाद विशेष राज्य का दर्जा की मांग को लेकर गुरुवार को अभियान की शुरुआत की गई। इसे लेकर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने योजना विकास मंत्री विजेंद्र यादव और वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर मंत्री अशोक चौधरी ने बीजेपी नेताओं से आग्रह किया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करें। आरजेडी-जेडीयू नेताओं ने कहा कि बिहार सरकार सभी गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है।

अशोक चौधरी ने किया बीजेपी नेताओं से पीएम से मिलने का आग्रह

गिरिराज जी मंदिर में बजाइए घंटा

यूपी के बाद बिहार में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध का मामला जोर पकड़ने लगा है। इसे लेकर राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखने के बाद यह मुद्दा जोर पकड़ रहा है। दरअसल, तेजस्वी यादव ने कहा कि इस पर टीका-टिप्पणी ठीक नहीं है। ये (भाजपा) तो हिंदू-मुसलमान करेंगे। यही तो फर्क है उनमें (भाजपा) और हम लोगों में। हम लोग गरीबी मिटाने की बात करते हैं। रोजगार देने की बात करते हैं। विकास की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग हिंदू-मुसलमान और मंदिर-मस्जिद की बात करते हैं। एक बात जान लें वो लोग (भाजपा), जनता का पेट है ना; नौकरी देने से भरेगा। विकास करने से भरेगा। ये नहीं कि हिंदू-मुसलमान करते रहिए, मंदिर में घंटा बजाईए.. इससे कुछ होने वाला नहीं है। इन लोगों की राजनीति आप देखिए ना।

यूपी : बड़े से लेकर छोटे दल चलाएंगे चुनावी हल

किसान, जवान व नौजवान को जोड़ने की कवायद

- सपा, बसपा और कांग्रेस की पैनी नजर
- भाजपा सेंध लगाने की तैयारी में
- छोटे दल भी बड़े खेल की फिराक में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे लोक सभा चुनाव 2024 करीब आ रहा है यूपी में भी सियासी दल कमर कस रहे हैं। जहां सपा पीडीए के सहारे आगे बढ़ रही है वहीं कांग्रेस भी पूरी ताकत लगा रही है। बसपा ने अकेले ही रास्ते को पार कर मंजिल छूने की मंशा पाली है। वहीं भाजपा ने चुनाव से पहले सपा, बसपा, रालोद और कांग्रेस में सेंध लगाने की तैयारी शुरू की है। वहीं सारी पार्टियां किसानों, महिलाओं, जवानों व नवजवानों को अपने पाले में करने को लोक लुभावन वादे करने में जुटीं है।

कई पार्टियों की ओर से जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपनी-अपनी पार्टी में शामिल करने के लिए चिह्नित किया जा रहा है। इससे पहले भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2022 से पहले भी विपक्षी दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करने का अभियान चलाया था। पार्टी को इसमें बड़ी सफलता मिली थी। विपक्षी दलों के नेताओं को चुनाव में मौका दिया गया था। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए राकेश सचान को योगी कैबिनेट में मंत्री भी बनाया गया। अब लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा फिर उस प्रयोग को दोहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने सभी जिलाध्यक्षों को जिले में विपक्षी दलों के प्रभावशाली नेताओं को चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं जो भाजपा में शामिल हो सकते हैं। ऐसे नेताओं को भी चिह्नित किया जा रहा है जो अपनी पार्टी में या तो साइडलाइन है या नाराज चल रहे हैं। जिला स्तरीय नेताओं को जिले और प्रदेश स्तरीय नेताओं को प्रदेश मुख्यालय में भाजपा में शामिल कराया जाएगा।इसके लिए प्रदेश स्तर पर एक कमेटी गठित की जा रही है। जिलों से प्रस्ताव कमेटी के पास भेजे जाएंगे। कमेटी प्रस्ताव की जांच के बाद अपनी संस्तुति प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह को देगी। उनकी हरी झंडी के बाद संबंधित नेता को भाजपा में शामिल कराया जाएगा।

जहां यूपी में चार बड़ी पार्टियां अपनी ताकत के दम पर प्रदेश की 80 लोक सभा सीटों पर नजरें गड़ाए हैं वैसे ही छोटे-छोटे दल भी अकेले नही तो किसी के सहारे संसद की बैठक में हिस्सा लेने को बेतराब हैं। उसमें जहां रालोद, अपना दल व जदयू जैसी पार्टियां शामिल है। वहीं कुछ पूर्व नौकरशाह भी चुनावी मैदान में मोर्चा डालने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ तो पहले से ही इस काम लगे कुछ आने समय में अपनी रणनीति का खुलासा करेंगे। अभी हाल में यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह अपनी पार्टी बनाई है जो प्रदेश के बुंदेलखंड में अपनी सियासत चमकाने की कोशिश में लगे है। वहीं पिछले 15 साल के दौरान हुए तीन लोकसभा और तीन विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ चुकी पीस पार्टी के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अयूब का सियासी चश्मा अब बदल चुका है । उन्हें अब भाजपा जैसे दलों के साथ भी चुनाव लड़ने में कोई परहेज नहीं हैं।

मुस्लिम दल भी एनडीए से जुड़ने को तैयार

करीब डेढ़ दशक के सियासी सफर के बाद उन्हें अब लगने लगा है कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को सिर्फ एक वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया है। उनका मानना है कि ये तीनों दल चुनाव में मुस्लिमों का वोट तो लेते हैं, पर जब सत्ता में आते हैं तो इस समाज को न तो भागीदार बनाते हैं और न ही इनका ख्याल रखते हैं। उनका कहना है कि मौका मिलेगा तो एनडीए से गठबंधन करने से गुरेज नहीं करेंगे। पूर्वांचल में पसमांदा मुस्लिमों के बड़े नुमाइंदे के तौर पर पहचान रखने वाले डॉ. अयूब ने पार्टी के गठन के बाद 2012 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में चार सीटों पर जीत दर्ज करके मुस्लिम समाज पर अपनी पकड़ का एहसास भी कराया था, लेकिन गठबंधन के दौर में भी किसी बड़े दल का साथ न मिलने की वजह से पीस पार्टी एक तरह से अलग-थलग पड़ गई है। माना जा रहा है कि यही वजह है कि डॉ. अयूब अब भाजपा की तरफ भी दोस्ती का हाथ बढ़ाने के प्रयास में जुटे हैं। एनडीए से गठबंधन को लेकर उनके हाल के बयान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।डॉ. अयूब का कहना है कि यूपी में पसमांदा मुस्लिम समाज जागरूक हो गया है। सिर्फ वोटबैंक बन कर नहीं रहना चाहता है। वे कहते हैं कि अब तक यह समाज सिर्फ धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भाजपा को हराने के लिए वोट करता था, लेकिन अब यह समझ में आने लगा है कि यह विचारधारा समाज को नुकसान पहुंचा रहा है। इसलिए अब मुस्लिम समाज ने तय किया है कि अब जो दल हमें हिस्सेदारी देगा, उसके साथ रहेंगे। उन्होंने कहा हमारी अब किसी दल से दुश्मनी नहीं है। जो हमें भागीदारी देगा, हम भी उसका साथ देंगे। चाहे वह एनडीए ही क्यों न हो।पीस पार्टी का गठन फरवरी 2008 में हुआ था। 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी 21 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और एक प्रतिशत वोट मिला था। इसके बाद 2012 में पहले विधानसभा चुनाव में पार्टी 208 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और चार सीटों पर चुनाव जीती थी। खुद डॉ. अयूब खलीलाबाद सीट से विधायक चुने गए थे। इसके अलावा रायबरेली, कांठ और डुमरियागंज सीट भी पीस पार्टी के खाते में गई थी। हालांकि इसके बाद किसी भी चुनाव में पार्टी नहीं जीती है। अलबत्ता चुनाव सभी चुनावों में भाग लिया था।

विशेष राज्य के दर्जे पर घूमेगी बिहार की सियासत

जातिगत जनगणना के बाद नीतीश की एक और सियासी दावं

- भाजपा को बैकफुट पर पहुंचाने की कोशिश
- मांझी व मोदी ने सीएम पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक बार फिर विशेष राज्य के दर्जे की मांग का शोर बढ़ा हुआ है। इस मांग की गंभीरता इसी बात से लगाई जा सकती है कि इसका प्रस्ताव नीतीश सरकार के कैबिनेट से पास किया गया है। इसको लेकर राजनीति भी उफान पर है। जहां विपक्ष इसको लेकर सीएम को घेर रहा है वहीं राज्य सरकार मोदी सरकार पर हमलावर है। जदयू व राजद इसको अगले लोक सभा चुनाव में मुद्दा बना सकती। गौरतलब हो कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल ने बुधवार को बिहार को 'विशेष राज्य' का दर्जा देने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि बिहार के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुये केन्द्र सरकार इसे शीघ्र ही विशेष राज्य का दर्जा दे। वहीं एक दशक से अधिक समय तक उपमुख्यमंत्री के रूप में इस मांग के समर्थक रहे, वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने अपना रुख बदलते हुए कहा, ''केंद्र की मौजूदा सरकार के तहत बिहार को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता मिली है।

जाति आधारित गणना में सभी वर्गों को मिलेगा लाभ : नीतीश

उधर नीतीश ने कहा कि हाल में राज्य में जाति सर्वेक्षण के आलोक में इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है। जनता दल (यूनाइटेड) के शीर्ष नेता नीतीश ने कहा, ''देश में पहली बार बिहार में जाति आधारित गणना का काम कराया गया है। जाति आधारित गणना के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति के आंकड़ों के आधार पर कमजोर तबकों के लिये आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा,

''सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये 10 प्रतिशत आरक्षण पूर्ववत लागू रहेगा, अर्थात इन सभी वर्गों के लिए कुल आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''जाति आधारित गणना में सभी वर्गों को मिलाकर बिहार में लगभग 94 लाख गरीब परिवार पाये गये हैं, उन सभी परिवार के एक सदस्य को रोजगार के लिए 2 लाख रुपये तक की राशि किस्तों में उपलब्ध करायी जायेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि 63,850 आवासहीन एवं भूमिहीन परिवारों को जमीन क्रय के लिए दी जा रही 60,000 रुपये की राशि की सीमा को बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया गया है। साथ ही इन परिवारों को मकान बनाने के लिए 1.20 लाख रुपये दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जो 39 लाख परिवार झोपड़ियों में रह रहे हैं उन्हें भी पक्का मकान मुहैया कराया जायेगा जिसके लिए प्रति परिवार 1.20 लाख रुपये की दर से राशि उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होंने कहा, ''सतत जीविकोपार्जन योजना के अन्तर्गत अत्यंत निर्धन परिवारों की सहायता के लिए अब एक लाख रूपये के बदले दो लाख रूपये दिये जायेंगे।''मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में लगभग दो लाख 50 हजार करोड़ रुपये की राशि व्यय होगी और इन कामों के लिये काफी बड़ी राशि की आवश्यकता होने के कारण इन्हें 5 साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

लालू से पूछना चाहिए क्यों नही मिला दर्जा : सुशील मोदी

एक दशक से अधिक समय तक उपमुख्यमंत्री के रूप में इस मांग के समर्थक रहे, वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने अपना रुख बदलते हुए एक बयान जारी कर कहा, ''केंद्र की मौजूदा सरकार के तहत बिहार को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता मिली है। पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार के तहत 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया गया था।'' उन्होंने कहा, ''अपने राजनीतिक स्टंट से मरे हुए घोड़े को कोड़े मारने के बजाय, नीतीश कुमार को यूपीए का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस और उसके प्रभावशाली सहयोगी लालू प्रसाद से पूछना चाहिए कि बिहार को विशेष दर्जा क्यों नहीं मिला, जबकि उन्होंने लगातार दो कार्यकाल केंद्र में सत्ता का आनंद लिया।

बिहार को विशेष दर्जा मिलना चाहिए : लालू

मुख्यमंत्री के बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कहा, ''हां, बिहार को विशेष दर्जा मिलना चाहिए।''नीतीश लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि यदि 'इंडिया' गठबंधन की केंद्र में अगली सरकार बनती है, तो वह 'सभी पिछड़े राज्यों को विशेष दर्जा' देने का दबाव डालेंगे। आरक्षण में वृद्धि के साथ वंचित जातियों को अपने पक्ष में करने की कोशिश में लगे नीतीश ने अब लंबे समय से चली आ रही बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को फिर से उठाकर नया दांव चला है। इस पुरानी मांग को बिहार विधानसभा के पटल उस समय दोहराया था जब नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण बढ़ाने वाले विधेयक विधानसभा में पेश किए गए थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर कब रूकेगा जम्मू कश्मीर में सैन्य बलिदान

पिछले तीन-चार महीनों में हुए मुठभेड़ों में लगभग 15 सैन्य कर्मी बलिदान हुए हैं। ऐसा क्या हुआ कि धारा 370 हटाने के बाद भी ऐसी घटनाएं घट नही रहीं हैं। एकबार फिर से के द्र को समीक्षा करनी होगी कहां चूक हो गई। सरकार फिर से ऐसी व्यवस्था करनी होगी भारतीय सैनिकों की मौत न हो। साथ ही यह भी देखना होगा आतंकियों का मनोबल टूटे और आगे से ऐसे हरकत वह न कर सके।

जम्मू-कश्मीर में दो दिन चले मुठभेड़ में पांच जवान शहीद हो गए। हालांकि आतंकी भी ढेर हुए हैं। पर यह घटना केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाती है। पिछले तीन-चार महीनों में हुए मुठभेड़ों में लगभग 15 सैन्य कर्मी बलिदान हुए हैं। ऐसा क्या हुआ कि धारा 370 हटाने के बाद भी ऐसी घटनाएं घट नही रहीं हैं। एकबार फिर से केंद्र को समीक्षा करनी होगी कहां चूक हो गई। सरकार फिर से ऐसी व्यवस्था करनी होगी भारतीय सैनिकों की मौत न हो। साथ ही यह भी देखना होगा आतंकियों का मनोबल टूटे और आगे से ऐसे हरकत वह न कर सके। गौरतलब हो कि जम्मू संभाग के जिला राजोरी के बाजीमाल में गुरुवार दूसरे दिन भी मुठभेड़ हुई। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां दो आतंकियों को मार गिराया गया है।

उनके पास से हथियार और गोला बारूद भी बरामद किया गया है। अभी तलाशी अभियान जारी है। गोलीबरी के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादी कॉरी मारा गया है। उसे पाक और अफगान मोर्चे पर प्रशिक्षित किया गया है। कॉरी लश्कर-ए-तैयबा का उच्च रैंक आतंकवादी कमांडर था। वह पिछले एक साल से अपने रुप के साथ राजोरी और पुंछ में सक्रि य था। उसे ढांगरी और कंडी हमलों का मास्टरमाइंड भी माना जाता है। इन आतंकियों को इन क्षेत्रों में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए भेजा गया था। वह आईईडी लगाने, गुफाओं से छिपकर हमला करने और प्रशिक्षित स्नाइपर था। इस साल एक जनवरी को राजोरी के ढांगरी में दोहरे आतंकी हमले को अंजाम दिया गया था, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई थी। इससें पांच लोग गोलीबारी में और दो लोग आईईडी ब्लास्ट में मारे गए थे। जिला राजोरी के धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में सेना व जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ गुरुवार सुबह एक बार फिर शुरू हुई। बुधवार सुबह 10 बजे शुरु हुई मुठभेड़ रात सात बजे तक जारी रही। अंधेरा होने के कारण नौ घंटे बाद गोलीबारी बंद कर दी गई लेकिन सुरक्षाबलों ने दोनों दहशतगर्दों को घेरा डाले रखा। गुरुवार को मुठभेड़ के दौरान एक जवान बलिदान हो गए। इससे पहले बुधवार को दो कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी बलिदान हो गए और दो जवान घायल हुए। बुधवार को नागरिकों को बचाते हुए सुरक्षाबलों पर अचानक आतंकियों ने हमला कर दिया। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। राज्य के उपराज्यपाल, विपक्ष के नेताओं व केंद्र की सरकार को मिल बैठकर ऐसी योजना बनानी होगी कि जम्मू में आतंकी गतिविधियां फिर न बढ़ने पाए। चुनावों पर आयोग को ध्यान देना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुरंगों के संजाल से जख्मी हिमालय

जयसिंह रावत

पौराणिक नगरी जोशीमठ के धंसने के कारण तपोवन-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की सुरंग के चर्चा में आने के बाद चारधाम ऑल वेदर सड़क परियोजना की उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा परियोजना की सुरंग सुर्खियों में है। सुरंग के एक हिस्से के धंसने से वहां फंसे 41 मजदूरों की जान संकट में पड़ने के बाद एक बार फिर विश्व की सबसे युवा पर्वतमाला हिमालय में सुरंगों के निर्माण पर सवाल भी उठने लगे हैं। दरअसल, सुरंगों सहित भूमिगत निर्माण में इस तरह के हादसे नई बात नहीं है। अब तो सुरंगों के धंसने और निर्माणाधीन सुरंगों के ऊपर बसी बस्तियों के धंसने की शिकायतें आम हो गयी हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार उत्तराखंड के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में इस वक्त पौने तीन लाख करोड़ रुपये की लागत की टनल बनाई जा रही हैं।

इसमें दो राय नहीं कि विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमालयी क्षेत्र की जनता को विकास भी चाहिए, तभी उनकी जिन्दगी की परेशानियां कम होंगी और बेहतर जीवन सुलभ होगा। हिमालयवासियों के लिए सड़कें भी चाहिए तो बिजली-पानी और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी। लेकिन पहाड़ों पर सड़कें बनाना तो आसान है, मगर उन सड़कों के निर्माण से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटना उतना आसान नहीं है। तेज ढलान के कारण पन बिजली उत्पादन के लिए हिमालयी क्षेत्रों को सबसे अनुकूल माना जाता है। इसीलिये नीति-नियन्ताओं और योजनाकारों की नजर हिमालय पर पड़ी है। पन बिजली पैदा करने के लिए ग्रेविटी या ढलान की आवश्यकता होती है। मकसद यही कि तेज धार या पानी की भौतिक ऊर्जा से पावर हाउस की टरबाइन चल सकें और फिर बिजली का उत्पादन हो सके। इसके लिए पहाड़ों से बहने वाली नदियां ही सबसे माकूल हैं। इन नदियों का वेग और भौतिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए पानी को तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजारा जाता है जिसके लिए पहाड़ी क्षेत्र ही सबसे अनुकूल होते हैं।

मैदानी क्षेत्र में पानी के लिए इतनी ढाल या ग्रेविटी के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र डुबोना होता है। इसलिये अब तक जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक पन बिजली के लिए योजनाकारों ने हिमालयी क्षेत्र को चिन्हित कर रखा है।

हिमालय पर सुरंगों का निर्माण शुरू से चर्चा का विषय रहा है। हिमालय के गर्भ को छलनी करने का समर्थन तो पर्यावरणविद् कर नहीं सकते मगर भूविज्ञानी भी इसमें संयम की सलाह अवश्य देते हैं। वर्तमान में हिमालय पर केवल बिजली परियोजनाओं के लिए नहीं बल्कि यातायात और अन्य गतिविधियों के लिए भी सुरंगों का निर्माण हो रहा है। पहले भूमिगत बिजलीघर बने, लेकिन अब तो पहाड़ी नगरों में ट्रैऊफिक समस्या के समाधान के लिए भूमिगत पार्किंग भी बनने लगी हैं। एनटीपीसी की लगभग 12 किमी लम्बी सुरंग को जोशीमठ के धंसने के लिए पर्यावरणविद् जिम्मेदार मानते रहे हैं। जोशीमठ के ही सामने चाईं गांव के धसने के लिए 300 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजना की 13 किमी लम्बी सुरंग पर उंगलियां उठती रही हैं। पेशे से इंजीनियर रहे भारत के दूरदृष्टा सिंचाई और ऊर्जा मंत्री रहे के.एल. राव द्वारा देश के जल संसाधनों का सन् 60 के दशक में व्यापक सर्वेक्षण कराया गया था। उसी सर्वेक्षण के आधार पर भाखड़ा नंगल बांध से लेकर टिहरी बांध जैसी परियोजनाएं शुरू हुई थीं। उसी के आधार पर चिन्हित परियोजनाएं आज विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें कुछ हरित प्राधिकरण द्वारा रोकी भी गयी हैं। इनमें लगभग कुल 750 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। वाडिया इंस्टिट्यूट आफ हिमालयन जियोलॉजी के पूर्व निदेशक एनएस विरदी और एक अन्य भू-वैज्ञानिक एके महाजन के एक शोधपत्र के मुताबिक अकेले गंगा बेसिन की प्रस्तावित और निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए 150 किमी लंबी सुरंगें खुद रही हैं या खोदी जा चुकी हैं। प्रस्तावित परियोजनाओं में से विष्णुप्रयाग प्रोजेक्ट पर 12 किमी सुरंग चल रही है। भागीरथी पर बनने वाली परियोजनाओं में लोहारी नागपाला 13.6 किमी, पाला मनेरी 8.7 किमी व मनेरी भाली द्वितीय में 15.40 किमी लंबी सुरंग शामिल हैं। मनेरी भाली प्रथम में पहले ही 9 किमी लंबी सुरंग काम कर रही है। पन बिजली की इन सुरंगों के अलावा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर 105.47 किमी लम्बी 17 मुख्य सुरंगें बन रही हैं और 98.54 किमी लम्बी स्केप टनल सहित कुल 218 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में हैं। दरअसल किसी भी परियोजना में केवल मुख्य सुरंग का ही उल्लेख आता है। जबकि उस मुख्य सुरंग को खोदने और उसका मलबा बाहर निकलने के लिए भी सुरंगें बनानी होती हैं, जिन्हें एडिट भी कहा जाता है।

कृत्रिम मेधा के वैश्विक मानकों की जरूरत

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों ब्रिटेन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आयोजित महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में तकनीकी और राजनीति की दुनिया के दिग्गजों ने चेतावनी दी कि अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नियंत्रित नहीं किया गया, तो दुनिया के लिए भारी जोखिम पैदा हो जाएगा। लोगों की गोपनीयता भंग होने के साथ ही इंसानी जीवन पर भी खतरा मंडराने लगेगा। दुनिया में एआई को लेकर लगातार बढ़ रही चिंताओं के बीच ऐसे शिखर सम्मेलन की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। वास्तव में यह शिखर सम्मलेन एआई से जुड़ी समस्याओं से समाधान खोजने का बड़ा प्रयास है। सम्मेलन की बड़ी कामयाबी यह कि तकनीक की दुनिया के दिग्गज जोखिमों को कम करने के लिए तैयार दिखे।

असल में एआई के विकास में सरकारों के साथ मिलकर काम करना जरूरी है, ताकि कायदे-कानूनों के तहत ही इस नई तकनीकी का विकास हो। अगर निजी कंपनियों में एआई के विकास को लेकर खुली प्रतिस्पर्द्धा छिड़ी, तो यह मानवता को नुकसान पहुंचाने लगेगी। एआई के विकास में लगे अग्रणी व्यक्तियों को जिम्मेदारी का अहसास कराने में शिखर सम्मेलन को कामयाबी मिली है व भविष्य में आने वाली तकनीक के न्याय-अनुकूल होने की संभावना बढ़ गई। मूल विचार यह कि कंपनियां खुद सुरक्षा उपाय करने के साथ सुनिश्चित करें कि एआई के विकृत मॉडल या जोखिम पहुंचाने की क्षमता रखने वाले मॉडल तैयार न किए जाएं और न ही उनकी निर्माण प्रक्रिया स्वतंत्र छोड़ दी जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आरंभ 1950 के दशक में ही हो गया था, लेकिन इसकी महत्ता को पहली बार 1970 के दशक में पहचान मिली। जापान ने सबसे पहले इस ओर पहल की और 1981 में फिफ्थ जनरेशन नामक योजना की शुरुआत की थी। इसमें सुपर-कंप्यूटर के विकास के लिये 10-वर्षीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी।

इसके पश्चात अन्य देशों ने भी इस ओर ध्यान दिया। ब्रिटेन ने इसके लिये 'एल्वी' नामक परियोजना की शुरुआत की। यूरोपीय संघ के देशों ने भी 'एस्प्रिट' नाम से एक कार्यक्रम की शुरुआत की थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हमेशा बेहतर फैसले लेने के लिए किया जाता रहा है। एआई तकनीक डेटा डिलीवरी का समन्वय कर सकती है, रुझानों का विश्लेषण कर सकती है, पूर्वानुमान प्रदान कर सकती है और बेहतरीन फैसले लेने के लिए अनिश्चितताओं की संख्या बता सकती है। जब तक एआई को मानवीय भावनाओं की नकल करने के लिए प्रोग्राम नहीं किया जाता है, तब तक यह मामले पर निष्पक्ष रहेगा और व्यावसायिक दक्षता का समर्थन करने के लिए सही फैसला लेने में मदद करेगा।

इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों में नयी-नयी खोजों में मदद करना व रोजमर्रा के जीवन को आसान बनाने से लेकर एआई कई मायनों में काफी उपयोगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कई तरह के फायदे हैं तो इसके नुकसान भी हैं, इसलिए अब एआई के वैश्विक नियमन की जरूरत है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही में एक आदेश जारी किया जिसके मुताबिक यह सुनिश्चित करना है कि 'अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की संभावनाओं को साधने के साथ ही इसके जोखिमों का प्रबंधन करने में सबसे आगे रहे।' इसके लक्ष्यों में अमेरिका की गोपनीयता की सुरक्षा बरकरार रखते हुए एआई सुरक्षा के लिए नए मानक स्थापित करना है। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेनरेटिव एआई) इतना प्रभावशाली है कि इसका विकास एकदम स्वतंत्र तरीके से किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर अधिकांश लोग सहमत हैं। डीप लर्निंग के प्रणेता जेफ्री हिंटन और ओपनएआई के पूर्व प्रमुख सैम ऑल्टमैन, दोनों ही इस मुद्दे पर सहमत हैं। हिंटन ने चेतावनी भी दी कि जेनरेटिव एआई मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरा हो सकता है। ऑल्टमैन ने अमेरिकी सांसदों से अपील की कि वे एआई क्रिएटरों के लिए मापदंड तय करें ताकि वे दुनिया को जोखिम की स्थिति में न आने दें।

दुनियाभर में कानून निर्माता सांसद अब भी इस बात को लेकर जूझ रहे हैं कि इस शक्तिशाली तकनीक का नियमन बेहतर तरीके से कैसे किया जाए। इनमें से कई जेनरेटिव एआई क्रिएटरों के पाले में गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं। इंटरनेट की वजह से दुनिया ग्लोबल विलेज में तब्दील हो गई है, साथ ही तकनीक की उपलब्धता बढ़ गई है, तो कुछ देश एआई जैसी तकनीक पर अपना शिकंजा कसना चाहते हैं। दुनिया में एआई को लेकर साझा नीति बहुत जरूरी है, ताकि कोई भी देश या कंपनी इस तकनीक का दुरुपयोग न कर सके। एआई नियमन के मामले में भारत के कम्यूनिकेशंस एंड आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव के अनुसार, दुनियाभर में इन दिनों एआई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल तेजी से ब?ता हुआ देखा जा रहा है। ऐसे में सभी देशों द्वारा इस बारे में एक फ्रेमवर्क बनाना जरूरी हो गया है। यूरोपियन और अमेरिकन रेग्यूलेटर्स काफी समय से इस टेक्नोलॉजी को कंट्रोल में लाने को कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं। जिसके बाद अब भारत सरकार भी इस दिशा में रेग्यूलेटरी फ्रेमवर्क बनाने की सोच रही है। एआई के मोर्चे पर वैश्विक सहमति बनाना जरूरी होगा जिसमें दुनिया के सभी देश शामिल हों।

बढ़ानी है खूबसूरती तो मेकअप में शामिल करें ये सामान

लिपस्टिक

हर महिला के पास लिपस्टिक का काफी शानदार कलेक्शन होना चाहिए। त्योहारों के हिसाब से भी अपने पास नए कलर खरीद कर रखें। लिपस्टिक की क्वालिटी कैसी है और इसमें किन चीजों को मिलाया गया है। ये जानना बेहद आवश्यक होता है। हर एक लिपस्टिक में मोम, तेल और पिग्मेंट्स को मिलाया जाता है। लेकिन ये तत्व मैट लिपस्टिक या ग्लोसी लिपस्टिक बनाने के लिए बदल जाते हैं।

काजल

थकान की वजह से अगर आंखें थकी-थकी लग रहीं हों, तो काजल लगाकार आप इसे नॉर्मल कर सकते हैं। काजल लगाने के आंखें बड़ी लगने लगती हैं। चेहरे को सुंदर बनाने के लिए किए जाने वाले मेकअप में आंखों का मेकअप बहुत अहम माना जाता है। काजल को महिलाएं डेली यूज से लेकर खास मौकों तक, सब पर यूज करती हैं।

जरूर होना चाहिए फाउंडेशन

मेकअप का सबसे जरूरी हिस्सा फाउंडेशन ही होता है। हर महिला के पास ये जरूर होना चाहिए। इससे चेहरे पर चमक आती है। ऐसे में त्योहारों के इस सीजन में अपनी स्किन टोन का फाउंडेशन जरूर खरीद लें। सिर्फ मेकअप ही नहीं बल्कि जो मेकअप नहीं करते हैं वो भी सिर्फ फाउंडेशन का उपयोग कर सकते हैं।

हाइलाइटर

चेहरे की शाइन को बढ़ाने के लिए हाइलाउटर बेहद जरूरी होता है। इसे चेहरे पर जरूर लगाएं। इससे आपका चेहरा चमक उठेगा।

कंसीलर

कई बार भागदौड़ की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं। ऐसे में कंसीलर आपके चेहरे के दाग छिपाने का काम करेगा। इसके इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा।

शायद ही दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो नहीं चाहता हो कि वो सबसे खूबसूरत दिखे। खासतौर पर अगर बात आती है महिलाओं की तो हर महिला सबसे प्यारी और खूबसूरत दिखना चाहती हैं। अब जब त्योहारों का सीजन चल रहा है तो उनका अच्छा लगना तो और ज्यादा स्वाभाविक हो जाता है। त्योहारों के इस सीजन के बाद शादियों का सिलसिला शुरू हो जाएगा, ऐसे में हर लड़की और महिला इसके लिए खुद को तैयार कर रही है। चाहे बात शादी की हो या फिर त्योहार की, दोनों ही समय इतनी भागदौड़ होती है कि इसकी वजह से चेहरे पर थकान दिखने लगती है। ऐसे में चेहरा काफी डल लगने लगता है। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसे मेकअप प्रोडक्ट के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आपका चेहरा थकान के बाद भी खिल उठेगा तो अगर आप अपनी शॉपिंग लिस्ट तैयार कर रहे हैं तो इन मेकअप के सामानों को इसमें जरूर शामिल करें।

ब्लश

चेहरे की लालिमा बरकरार रखने के लिए ब्लश का इस्तेमाल किया जाता है। इसके इस्तेमाल से गालों को लाल किया जाता है। ऐसे में अपनी स्किन टोन के हिसाब से इसका चयन करें। स्वीट चीक्स लिक्विड ब्लश जैसा लिक्विड ब्लश त्वचा पर हल्का और आरामदायक होने के लिए डिजाइन किया गया है , जो इसे तैलीय त्वचा के लिए एकदम सही बनाता है।

हंसना मना है

सरकार का नया रूल, जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे हैं उनको लेके आता हूं! (लाने के बाद) पप्पू : अपने 3 कहां गए? वाईफ : जिसके थे वह ले गया।

बेटा- पापा आप रात को मम्मी के साथ क्यूं सोते हो? पापा-बेटा इससे आपस में प्यार बढ़ता हे, बेटा ड्ड पापा उल्लू मत बनाओ, साथ सोने से प्यार नही परिवार बढ़ता है।

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त : कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त : स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त : मेरी तो अभी ज़िंदा है!

टीचर : इतने दिन से कहा थे? लड़का : बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर : पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का : आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया तेरी ईच्छा क्या है, आदमी बोला प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो, भगवान हंसने लगे और कहा- मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

आदमी- सर, मेरी वाइफ खो गई है, पोस्टमन : यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी : ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

कहानी | प्रभु भोग का फल

एक सेठजी बड़े कंजूस थे। एक दिन दुकान पर बेटे को बैठा दिया और बोले कि बिना पैसा लिए किसी को कुछ मत देना, मैं अभी आया। अकस्मात एक संत आये जो अलग-अलग जगह से एक समय की भोजन सामग्री लेते थे। लड़के से कहा- बेटा जरा नमक दे दो। लड़के ने सन्त को डिब्बा खोल कर एक चम्मच नमक दिया। सेठजी आये तो देखा कि एक डिब्बा खुला पड़ा था। सेठजी ने कहा- क्या बेचा बेटा? बेटा बोला- एक सन्त, जो तालाब के किनारे रहते हैं, उनको एक चम्मच नमक दिया था। सेठ का माथा ठनका और बोला- अरे मूर्ख! इसमें तो जहरीला पदार्थ है। अब सेठजी भाग कर संतजी के पास गए, सन्तजी भगवान् के भोग लगाकर थाली लिए भोजन करने बैठे ही थे कि.. सेठजी दूर से ही बोले- महाराज जी रुकिए, आप जो नमक लाये थे, वो जहरीला पदार्थ था, आप भोजन नहीं करें। संतजी बोले- भाई हम तो प्रसाद लेंगे ही, क्योंकि भोग लगा दिया है और भोग लगा भोजन छोड़ नहीं सकते। हां, अगर भोग नहीं लगता तो भोजन नही करते और कहते-कहते भोजन शुरू कर दिया। सेठजी के होश उड़ गए, वो तो बैठ गए वहीं पर। रात हो गई, सेठजी वहीं सो गए कि कहीं संतजी की तबियत बिगड़ गई तो कम से कम बैद्यजी को दिखा देंगे तो बदनामी से बचेंगे। सोचते सोचते उन्हें नींद आ गई। सुबह जल्दी ही सन्त उठ गए और नदी में स्नान करके स्वस्थ दशा में आ रहे हैं। सेठजी ने कहा- महाराज तबियत तो ठीक है। सन्त बोले- भगवान की कृपा है! इतना कह कर मन्दिर खोला तो देखते हैं कि भगवान् के श्री विग्रह के दो भाग हो गए हैं और शरीर काला पड़ गया है। अब तो सेठजी सारा मामला समझ गए कि अटल विश्वास से भगवान ने भोजन का जहर भोग के रूप में स्वयं ने ग्रहण कर लिया और भक्त को प्रसाद का ग्रहण कराया। सेठजी ने घर आकर बेटे को घर दुकान सम्भला दी और स्वयं भक्ति करने सन्त शरण में चले गए!

शिक्षा- इसलिए रोज ही भगवान् को निवेदन करके भोजन का भोग लगा करके ही भोजन करें, भोजन अमृत बन जाता है। अत : आज से ही यह नियम लें कि भोजन बिना भोग लगाए नहीं करेंगे।

7 अंतर खोजें

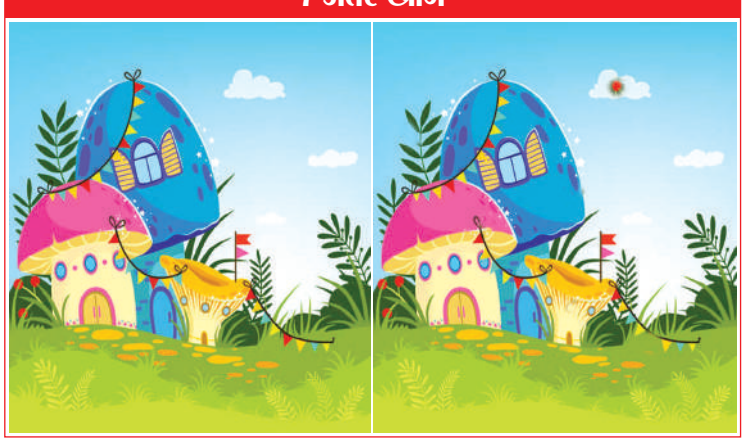

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपकी ओर से की गयी लापरावाही महंगी साबित हो सकती है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है।

वृषभ आज के दिन आपको अपने द्वारा शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। भाई व बहनों के साथ भी आपके रिश्ते में मजबूती आएगी, जो लोग रोजगार की दिशा में प्रयासरत हैं,

मिथुन आज किसी नए काम की शुरूआत करने पर परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश होंगे। किसी रूके हुए काम में सहायता मिलने से आपको राहत महसूस होगी।

कर्क आज अपने क्रोध को सीमित रखें ताकि आपके काम पर इसका असर न हो। नौकरी-व्यवसाय में परिस्थितियां आपके पक्ष में होंगी। प्रेमी के साथ संयम से काम लें।

सिंह आज के दिन आपको कार्य क्षेत्र में विरोधियों की चाल और लोकापवाद से बचने के लिए होगा। विदेश में रह रहे किसी परिजन से आज आपको कोई शुभ सूचना सुनने को मिलेगी।

कन्या आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। किसी जरूरी काम को पूरा करने में सफल होंगे। बिजनेसमैन के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है।

तुला आज नौकरी वर्ग के व्यक्तियों की आय में वृद्धि होने की संभावना बन रही है। युवाओं को यातायात नियमों का पालन नहीं करने पर आर्थिक दंड भुगतना पड़ सकता है।

वृश्चिक आज का दिन अपने व्यवसाय की उधेड़बुन में ही लगे रहेंगे। आज किसी सरकारी संस्था से आपको लाभ मिल सकता है। आज प्रेम संबंधी निर्णय अपनी बुद्धि और विवेक से लेंगे।

धनु आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे जिससे फायदा होगा। सोशल साईस के स्टूडेंट्स के लिए दिन बढ़िया है, करियर में सफलता मिलेगी।

मकर आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। अपनों पर व्यर्थ में शंका न करें।

कुम्भ आज का दिन लोकापवाद में वृद्धि का दिन रहेगा। आज आपको किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आर्थिक स्थिति पहले से उत्तम होगी।

मीन आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। अगर आप नौकरीपेशा वाले हैं तो जॉब चेंज करने का मन बनाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं जल्द ही शुरू करूंगा फिल्म मेकिंग की शिक्षा : अनुराग

अनुराग कश्यप ने गैंग्स ऑफ वासेपुर, कैनेडी, देव-डी और ब्लैक फ्राइडे जैसी फिल्मों के जरिए बतौर निर्माता-निर्देशक अच्छी पहचान बनाई है। अपने काम में वह माहिर हैं। मगर, अब वे एक नई राह पर चलने की तैयारी में हैं। अनुराग कश्यप, निर्देशन और स्क्रीनराइटिंग के बाद अब लोगों को फिल्म मेकिंग की कला भी सिखाते नजर आएंगे। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने कहा कि वे जल्द ही टीचिंग शुरू करेंगे। हाल ही में एक बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने अपनी भविष्य की योजनाएं बताईं। जब उनसे सवाल किया गया कि क्या उनके ऐसे कोई व्यक्तिगत लक्ष्य और महत्वाकांक्षाएं हैं, जिन्हें वे पूरा करना चाहते हैं? इस पर अनुराग ने कहा, करना चाहता हूं। इनमे एक तो खूब सारा समय पढ़ने में बिताना चाहता हूं और दूसरा, महत्वाकांक्षी युवाओं को फिल्म मेकिंग सिखाने के लिए इच्छुक हूं। अनुराग कश्यप ने आगे बताया कि युवाओं को फिल्ममेकिंग की शिक्षा देने का उनका सपना अब साकार होने जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं कोट्टयम, केरल में पढ़ाने जा रहा हूं। मैं युवा फिल्म निर्माताओं को प्रशिक्षित करना चाहता हूं। अनुराग कश्यप ने अपने ड्राइवर और उसके बेटे से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। निर्देशक ने बताया कि उन्होंने करियर में आगे बढ़ने में अपने ड्राइवर की मदद की और ग्राफिक उपन्यासों में उसकी दिलचस्पी बढ़ाई। अनुराग कश्यप ने कहा, मेरा ड्राइवर मेरे पास आया और बोला, मेरे बेटे का कुछ करो। मेरे ड्राइवर का बेटा काफी पढ़ा-लिखा है। मैंने उसे बुलाया और पूछा, क्या करना है? उसकी दिलचस्पी रचनात्मकता में थी। मैंने उसे ग्राफिक उपन्यास देने शुरू किए। मैंने अपने ड्राइवर से कहा कि बेटे को मेरे पास ही रहने दो। निर्देशक ने आगे बताया, आज उनका बेटा ग्राफिक नोवेल में इतना दिलचस्पी रखता है और इस तरह के नोवेल पढ़ रहा है, जो आपको भारत में नहीं मिलेंगे। अब वह बिल्कुल अलग दिशा में जा रहा है। अनुराग कश्यप ने कहा,मेरे पास जो चीजें हैं, उन्हें मैं लोगों के साथ साझा करना चाहता हूं और कहता हूं, चल आजा तेरे को करप्ट करता हूं।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर में आलिया के साथ काम नहीं करना चाहते थे वरुण-सिद्धार्थ : करण

फेमस फिल्ममेकर करण जौहर का चर्चित चैट शो कॉफी विद करण सीजन 8 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो के हालिया एपिसोड में करण के स्टूडेंट्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन शो में पहुंचे। दोनों ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपना बॉलीवुड करियर शुरू किया था। इस फिल्म में वरुण और सिद्धार्थ के साथ आलिया भट्ट ने भी अपना डेब्यू किया था। करण ने हाल ही में बताया कि दोनों अभिनेता नहीं चाहते थे कि वह आलिया भट्ट को फिल्म में कास्ट करें। करण जौहर ने कहा, मुझे आलिया को लेकर अभी भी याद है कि जब वह पहली बार आई थीं, दोनों ने मुझे मैसेज किया था कि आप उन्हें कास्ट नहीं कर सकते। आप में से एक ने कहा कि वह बहुत छोटी हैं। मुझे याद है हमने फोटोशूट से इसकी शुरुआत

की थी, फोटोशूट के दौरान वह चुपचाप खड़ी रहीं और आप दोनों में से किसी की भी तरफ नहीं देखा। क्योंकि या तो वह सचेत थीं या फिर शर्मीली थीं। क्योंकि आप लोग मुझे पहले से जानते थे और वह मुझे बिल्कुल नहीं जानती थीं। फिल्ममेकर ने आगे कहा कि वरुण धवन ने उन्हें अन्य अभिनेत्रियों की तस्वीरें भेजी थीं और कहा था कि वह आलिया की जगह उन्हें कास्ट कर सकते थे। फिल्म में दर्शकों को इन तीनों के बीच की केमिस्ट्री बेहद पसंद आई थी। बता दें कि आलिया ने भी पहले कई बातचीत के जौरान यह बताया कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन के साथ उनके पहले विचार बहुत अच्छे नहीं थे। आलिया ने एक बातचीत में कहा था, मुझे लगा था कि वरुण में बहुत घमंड है। साथ ही हम दोनों प्रतिद्वंद्वी स्कूलों से आये हैं। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर आलिया ने उसी बातचीत में कहा था, जहां तक सिद्धार्थ की बात है, तो वह अपने तक ही सीमित रहे। अभिनेत्री ने आगे कहा, फिर जब मैं उन्हें जानने लगी थी, यह बहुत मजेदार था और हमने शूटिंग में वास्तव में बेहद मजेदार समय बिताया है।

मेरी डीपफेक तस्वीरें हकीकत से हैं कोसों दूर : सारा तेंदुलकर

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद भी करते हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल, हाल ही में रश्मिका मंदाना और कटरीना कैफ की डीपफेक तस्वीरों के बाद सारा तेंदुलकर की भी फोटो वायरल हुई हैं, जिसे लेकर उन्होंने गुस्सा जाहिर किया है। इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ एक्स पर फर्जी अकाउंट के बारे में जानकारी देते हुए सारा ने लिखा, सोशल मीडिया हम सभी के लिए अपनी खुशियां, दुख और डेली एक्टिविटी शेयर करने की जगह है। हालांकि, टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल देखना चिंताजनक है क्योंकि यह इंटरनेट की सच्चाई और प्रामाणिकता को दूर करता है। आगे उन्होंने लिखा, मैंने कुछ देखा है मेरी डीपफेक तस्वीरें जो हकीकत से कोसों दूर हैं। एक्स, जो पहले ट्विटर है उस पर कुछ अकाउंट साफ तौर पर मेरी प्रतिरूपण करने और लोगों को गुमराह करने के इरादे से बनाए गए हैं। मेरा एक्स पर कोई खाता नहीं है, और मुझे उम्मीद है कि एक्स ऐसे खातों को देखेगा और उन्हें सस्पेंड कर देगा। एंटरटेनमेंट कभी भी सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए। आइए ऐसे संचार को प्रोत्साहित करें जो विश्वास और रियलिटी पर आधारित हो। गौरतलब है कि बीते दिनों यह भी अफवाह थी कि सारा तेंदुलकर भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के साथ डेटिंग कर रही हैं, जिसका संकेत कॉफी विद करण सीजन 8 के एपिसोड के दौरान सारा अली खान ने दिया था। हालांकि ये ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

अजब-गजब | यहां दीवार पर लटके मिले जाले तो लगेगा जुर्माना

गंदे रहने, बैठकर खाना न खाने पर भी फाइन!

दुनिया बहुत बड़ी है और यहां आपको तरह-तरह के कल्चर मिलते हैं। जो चीज एक जगह पर अच्छी मानी जाती है, वहीं दूसरी जगह पर बुरी हो जाती है। जिसे एक जगह सभ्यता समझा जाता है, वही दूसरी जगह जाकर असभ्यता बन जाती है। हर देश-राज्य-शहर की अपनी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक नियम होते हैं, जिसके मुताबिक ही लोग चलते हैं। आप भी ये बात मानते होंगे कि साफ-सफाई से रहना एक आदत है लेकिन अगर आप गंदगी में भी रहें तो अपने देश में जुर्माना तो नहीं लगता। चलिए बताते हैं एक ऐसी जगह के बारे में जहां इस पर भी आपकी जेब हल्की हो सकती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की एक काउंटी में ऐसी पॉलिसी बनाई गई है, जिसमें गंदगी से रहने और स्वस्थ तरीके से खाना न खाने पर जुर्माना लग जाएगा।

ये मामला चीन के दक्षिण पश्चिमी राज्य सिचुआन प्रोविंस का बताया जा रहा है। यहां की पज काउंटी में रहने वाले लोगों पर प्रशासन की ओर से कई जुर्माने निर्धारित किए गए हैं। अगर बिस्तर ठीक से नहीं लगाया गया है या फिर घर के

बर्तन गंदे पड़े हैं, तो नागरिक को 10 युआन यानि 116 रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। इसी तरह जो लोग ठीक से बैठकर खाना नहीं खाएंगे या फिर उन्हें उकडू बैठकर खाते हुए देखा गया, उन पर 20 युआन यानि 233 रुपये का जुर्माना देना होगा। जिसका उद्देश्य लोगों के व्यवहार और रहन-सहन की आदतों को सुधारना है। इस पॉलिसी के तहत घर की दीवार पर अगर जाले लटके हुए मिले, तो 5 युआन की पेनाल्टी यानि 58 रुपये देने होंगे। अगर घर के सामने कूड़ा दिख गया तो भी गंदगी की स्थिति देखते हुए 116 रुपये लेकर इससे ज्यादा तक का जुर्माना लगेगा। गांव के वाइस डायरेक्टर का कहना है कि जो पेनाल्टी से पैसा मिलेगा, उसे गांव पर ही खर्च किया जाएगा। हालांकि उन्होंने माना है कि जैसे स्टैंडर्ड सेट किए जा रहे हैं, परिस्थितियां उससे काफी दूर हैं।

ये बिल्ली मछलियों को पकड़ने के लिए अपनाती है अजीबोगरीब तरीका

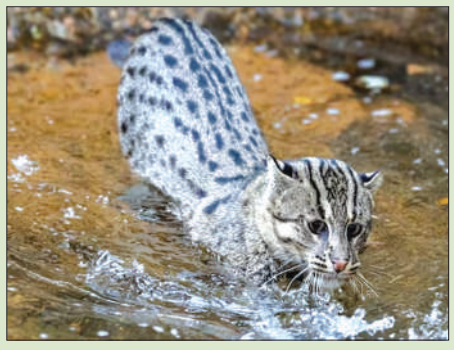

पानी से मछलियां और अन्य जलीय जीवों को पकड़ने वाला शख्स मछुआरा कहलाता है। वे अक्सर जाल की मदद से मछलियों को पकड़ते हैं, लेकिन फिशिंग कैट एक ऐसी बिल्ली है, जिसे मछलियां पकड़ने के लिए जाल की जरूरत नहीं होती है, यह काम वह अपने नुकीले पंजों और मुंह से ही बखूबी कर लेती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि इससे बड़ा कोई मछुआरा नहीं हो सकता है! अब इसी बिल्ली का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर फिशिंग कैट का यह वीडियो @rawrszn नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है कि फिशिंग कैट्स मछलियां पकड़ने में बहुत अच्छी होती हैं, इसलिए वे बड़े आर्द्रभूमि में रहना पसंद करती हैं। वे पानी के अंदर शिकार करने में भी अच्छी होती हैं, क्योंकि उनके पैर आंशिक रूप से जाल वाले होते हैं।' इस वीडियो में आप फिशिंग कैट को मछलियां पकड़ते और अपने दो बच्चों को मछलियां पकड़ना सिखाते हुए देख सकते हैं। इसके मछलियों को पकड़ने के अजीबोगरीब तरीके को देखकर आप दंग रह जाएंगें! पोस्ट किए जाने के बाद से अबतक वीडियो पर करीब 40 हजार लाइक्स मिल चुके हैं। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस पर कमेंट्स किए हैं। यह वीडियो आपको यकीनन पसंद आएगा। घरेलू बिल्लियों से ये बिल्लियां काफी अलग होती हैं। ये उनसे लगभग दोगुना बड़ी होती हैं। इनका शरीर काफी मजबूत और लचीला होता है। साथ ही इनकी पूंछ भी छोटी होती है, जो इनके लिए बड़ी काम की होती है, क्योंकि जिसे ये बिल्लियां तैरते समय पतवार के रूप में इस्तेमाल करती हैं। इनका फर ग्रे कलर का होता है, जिस पर ब्लैक-ब्राउन कलर के धब्बे-धारियां होती हैं। फिशिंग कैट के सिर और शरीर पर धारियों और धब्बों का एक विशिष्ट पैटर्न होता है। इस बिल्ली का साइंटिफिक नाम प्रियोनैलुरस विवेरिनस होता है। रिपोर्ट के अनुसार, मछलियों को पकड़ने और उनको खाने वाली यह एकमात्र बिल्ली की प्रजाति है। इसी खूबी के चलते इसका नाम फिशिंग कैट रखा गया है।

मोदी संकट वाली जगह पर नहीं, जहां श्रेय लेना हो वहां जाते हैं : प्रियंका गांधी

» पीएम पर जमकर बिफरीं कांग्रेस महासचिव

» मणिपुर नहीं गए, पर वर्ल्डकप देखने चले गए...

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में बीजेपी - कांग्रेस दोनों पार्टियां ने पूरा जोर लगाया है। इसी क्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने जयपुर के शाहपुरा में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए मणिपुर का जिक्र छेड़ दिया। प्रियंका ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मणिपुर भी हमारी ही देश का प्रदेश है। वहां की घटनाओं के ऐसे- ऐसे वीडियो सामने आए, जिन्हें देखना ही मुश्किल था, जीना तो सोचिए कितना मुश्किल होगा। लेकिन देखिये मोदी जी ने वहां जाने का कष्ट नहीं किया।

प्रियंका गांधी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अभी अभी क्रिकेट विश्वकप हुआ। हमारे खिलाड़ी मेहनत करके फाइनल में पहुंचे , वहां मोदी भी पहुंच गए। ताकि यदि हमारी टीम जीते तो कुछ श्रेय ले सकें। प्रियंका गांधी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि मोदी वहां नहीं जाते जहां संकट होता है, वहीं जाते हैं जहां श्रेय लेना हो। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए किसानों के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में काले कानूनों के खिलाफ किसान का आंदोलन हुआ। लाखों किसान सड़कों पर उतरे। सैकड़ों शहीद हो गए। उनका पानी बंद कर दिया गया और बिजली काट दी गई। लेकिन यह लंबा संघर्ष चलता रहा। यूपी चुनाव का समय आया तो उन्हें लगा कि हम चुनाव हार जाएंगे तब कानून वापस लिया गया। प्रियंका गांधी ने कहा कि किसान आंदोलन पीएम मोदी के घर से मुश्किल से 4 से 5 किलोमीटर दूर हो रहा था, लेकिन मोदी जी ने उनसे मिलने का कष्ट नहीं किया। किसी ने भी उनका कष्ट नहीं सुना।

बड़े लोगों का कर्ज माफ

प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार ने बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया। लेकिन गरीबों की उपेक्षा की है। आज मध्यम वर्ग, गरीब, किसानों की उनकी सरकारों में कोई सुनवाई नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश का किसान औसत एक दिन में 27 रुपए कमा रहा है और अडानी जी 1600 करोड़ रुपए एक दिन में कमा रहे हैं। लेकिन सुनवाई और कर्जमाफी किसानों की नहीं बल्कि उनकी हो रही है। इधर, सीएम अशोक गहलोत की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार की प्रसंशा करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि राजस्थान सरकार ने जनता को महंगाई से राहत प्रदान की है। उन्होंने 500 रुपए में गैस सिलेंडर का जिक्र करते हुए कहा कि राजस्थान में राज्य सरकार ने लोगों को महंगाई से राहत दिलवाई है।

राहुल गांधी तो देश की सबसे बड़ी शर्म : शिवराज सिंह

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी की पनौती वाले बयान पर कड़ी निंदा की है । उन्होंने कहा है कि यह देश की हार पर खुश होते हैं। सीएम शिवराज राजस्थान विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत टोंक जिले की बूंदी-नैनवा और टोंक की देवली उनियारा सीट पर प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे थे। चौहान ने बुधवार को देवली उनियारा के मांडकला और हिंडोली विधानसभा के नैनवा की चुनावी सभाओं में राहुल पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने पीएम मोदी पर पनौती की टिप्पणी को लेकर राहुल पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी राष्ट्रीय शर्म हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसे लोग हैं। जो भारत की हार पर अंदर से गदगद होकर खुश होते हैं। राहुल गांधी देश के लिए सबसे बड़ी राष्ट्रीय शर्म है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी विश्व कप में भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए वहां गए। जो गलत नहीं है। लेकिन क्रिकेट बाय चांस खेल है। जिसमें कभी हार का भी सामना करना पड़ता है। लेकिन इस हार से राहुल गांधी खुश हुए और उन्हें पीएम मोदी पर टिप्पणी करने का मौका मिल गया। जबकि पूरा देश भारत के हार से दुखी है। शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि यह दोनों भाई-बहन पानी पी पीकर गालियां देते हैं। यहां तक की शिवराज सिंह ने राहुल गांधी को पागल तक कह दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न तो कभी राजस्थान का और न ही कभी देश का भला कर सकती है। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि मोदी जी ने पूरे विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया है। वह हमारे देश के सबसे बड़े गौरव हैं।

राहुल गांधी को चुनाव आयोग की नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता मुश्किल में घिर गए हैं। राहुल गांधी के बयान को लेकर चुनाव आयोग ने एक्शन लिया है। आयोग की तरफ से राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। कांग्रेस नेता से जवाब भी मांगा गया है। राहुल को जवाब देने के लिए 25 नवंबर तक का समय दिया गया है।

गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर बीजेपी नेताओं ने कार्रवाई की मांग की थी। बीजेपी महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल, ओम पाठक सहित पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भी सौंपा था। ज्ञापन में मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के खिलाफ धोखाधड़ी, आधारहीन और अपमानजनक आचरण के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करके तत्काल हस्तक्षेप किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि कांग्रेस नेताओं के बयान चुनावी माहौल को खराब कर देंगे। इससे सम्मानित व्यक्तियों को बदनाम करने के लिए अपशब्दों, आपत्तिजनक भाषा का उपयोग और झूठी खबरों को रोकना मुश्किल हो जाएगा।

बृजभूषण पर 28 नवंबर को आरोप हो सकते हैं तय

» महिला पहलवान यौन शोषण मामले की होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत छह महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से संबंधित मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर सुनवाई 28 नवंबर तय की है।

30 अक्टूबर को पिछली सुनवाई में अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने पक्षों के वकीलों को अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया था ताकि उन्हें व्यवस्थित तरीके से समाप्त किया जा सके। आरोपी सिंह के वकील ने जवाब दाखिल किया, जिसके बाद न्यायाधीश ने मामले को आगे की कार्यवाही 28 नवंबर तय कर दी। इससे पहले आरोपी ने मामले की सुनवाई करने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाया था और दावा किया था कि भारत में कोई कथित कार्रवाई या परिणाम नहीं हुआ।दिल्ली पुलिस ने छह बार के सांसद सिंह के खिलाफ मामले में 15 जून को धारा 354, 354 ए, 506 के तहत डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर पर भी आरोप पत्र दायर किया था।

एक दिन देश छोड़कर भाग जाएंगे मोदी और शिंदे : राउत

» कहा, विरोधियों की इमेज खराब करना भी तो विकृति है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव गुट शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा कि एक दिन देश छोड़ कर भाग जाएंगे मोदी और एकनाथ शिंदे। महाराष्ट्र की मिट्टी में दफन होंगे दो गुजराती। आजकल राउत बीजेपी के ऊपर हमलावर हैं। उन्होंने मकाऊ के एक कसीनो में बैठे बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की फोटो पोस्ट करके महाराष्ट्र की राजनीति में आग लगा दिया है।

उधर मकाऊ से लौटकर बावनकुले ने कहा कि किसी की एक फोटो पोस्ट कर उसकी इमेज खराब नहीं की जा सकते। इस पर संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चंद्रशेखर बावनकुले सही कह रहे हैं कि एक फोटो से किसी की इमेज खराब नहीं की जा सकती, लेकिन यह बात उन्हें अपनी पार्टी के लोगों को समझानी चाहिए। जो रोज अपने राजनीतिक विरोधियों की इमेज को खराब करते हैं। हम लोगों ने भी 40-50 साल राजनीति में गुजारे हैं। संघर्ष हमने भी किया है। राउत ने कहा कि फडणवीस ने मेरी पोस्ट को विकृति कहा परंतु जब हम पर, हमारे परिवार पर, हमारे नेताओं पर तुम्हारी पार्टी की तरफ से इस तरह के हमले होते हैं, तो वह कौन-सी संस्कृति का हिस्सा हैं। वह भी एक विकृति ही है।

एक फोटो से किसी की इमेज खराब नहीं की जा सकती : बावनकुले

मकाऊ से लौटकर बावनकुले ने कहा कि किसी की एक फोटो पोस्ट कर उसकी इमेज खराब नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि मैं पिछले 34 साल से राजनीति में हूं। 20 साल से महाराष्ट्र विधानमंडल का सदस्य हूं। चार बार चुनाव जीत चुका हूं। इसीलिए कह रहा हूं कि एक फोटो के आधार पर मेरी इमेज खराब नहीं की जा सकती। बावनकुले ने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ हॉन्ग कॉन्ग गया था। राजनीतिक कार्यों में व्यस्त होने के कारण महीने में एक बार घर जा पाता हूं। परिवार को समय नहीं दे पाता, इसलिए परिवार के लोगों ने तीन दिन का टूर बनाया था। हॉन्ग कॉन्ग में हर होटल में कसीनो होते हैं। उसे क्रॉस करके जाते वक्त किसी ने यह फोटो खींचा है। लेकिन इस फोटो के आधार पर मुझे और मेरे परिवार को बदनाम करने का काम किया गया। इस बात का बुरा लगा।

रोमांचक मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

» पहले टी-20 में चमका सूर्यकुमार का बल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। भारतीय क्रिकेट टीम ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को एक गेंद शेष रहते हरा दिया। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट पर 208 रन बनाए थे, जबकि भारत ने 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। भारत के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबसे अधिक 42 गेंदों में 9 चौके और 4 छक्के उड़ाते हुए 80 रनों की पारी खेली, जबकि ईशान किशन ने 39 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के के दम पर 58 रन ठोके।

रिंकू सिंह 14 गेंदों में 22 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, आखिरी ओवर में मैच फंस गया था। भारत को जीत के लिए 6 गेंदों में 7 रन चाहिए थे, जबकि लगातार 3 विकेट गिर गए। इससे भारत मुश्किल में आ गया, लेकिन अखिरकार नो बॉल से लक्ष्य हासिल किया। 19.1, गेंदबाज- सीन एबॉट, बल्लेबाज- रिंकू सिंह, लेंथ डिलीवरी ऑफ के बाहर। रिंकू सिंह ने करारी हिट लगाई और गेंद बैकवर्ड पॉइंट से सीधे बाउंड्री के बाहर पहुंच गई। 4 रन बन गए।

19.2, गेंदबाज- सीन एबॉट, बल्लेबाज-रिंकू सिंह ऑफ के ठीक बाहर चालाकी से डाली गई धमी डिलीवरी। रिंकू सिंह कट करने के लिए इसका इंतजार कर रहे थे और चूक गए। विकेट के पीछे वेड भी चूके तो बाई के रूप में एक रन मिल गया। अब जीत के लिए 2 रन की जरूरत। 19.3, गेंदबाज- सीन एबॉट, बल्लेबाज- अक्षर पटेल, धीमी लेंथ बॉल को अक्षर बॉलर की दिशा में खेल बैठे। सीन ने कैच लपकते हुए पारी खत्म कर दी। जीत के लिए अभी भी 2 रनों की जरूरत। 19.4, गेंदबाज- सीन एबॉट, बल्लेबाज-रवि बिश्नोई ने हुक करना चाहा और चूक गए। जैसे ही गेंदबाज ने गेंद फेंकी, रिंकू बाई के लिए दौड़ पड़े। स्ट्राइकर एंड पर वेड चूक गए, लेकिन गेंदबाज ने बिश्नोई को दूसरे छोर पर रन आउट कर दिया। अगर वेड ने स्ट्राइकर छोर पर स्टंप्स पर गेंद मार दी होती तो भारत के लिए काफी परेशानी खड़ी हो जाती। (अर्शदीप सिंह मैदान पर आए) 19.5, गेंदबाज- सीन एबॉट, बल्लेबाज- रिंकू सिंह 1 रन पूरा हुआ और एक और रन आउट! 3 गेंदों में 3 विकेट।

राहुल गांधी एक मजबूत और ईमानदार नेता : सुप्रिया सुले

कांग्रेस नेता को चुनाव आयोग की नोटिस पर दिखीं नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। एनसीपी (शरद पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा, कि राहुल गांधी एक मजबूत और ईमानदार नेता हैं, मुझे विश्वास है कि वह सम्मानजनक और ईमानदार जवाब देंगे। वह एक योद्धा हैं, वह निडर रह सकते हैं, क्योंकि वह ईमानदार हैं। भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे कई उदाहरण हैं, जब बीजेपी ने उनके परिवार को लेकर निशाना साधा है, अब अगर वह कुछ बोलते हैं, तो बुरा मानने की क्या जरूरत है? उन्होंने (बीजेपी) तो राहुल गांधी की दादी तक को नहीं छोड़ा। भारतीय चुनाव आयोग ने गुरुवार को बीजेपी की शिकायत पर कांग्रेस सांसद को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इस नोटिस में राहुल गांधी के कथित तौर पर पीएम मोदी के खिलाफ अपनी चुनावी रैलियों में अपमानजनक टिप्पणी का जिक्र किया गया है। आयोग को दिए अपने ज्ञापन में भाजपा ने कहा था कि पिछले नौ वर्षों में उद्योगपतियों को 14,00,000 करोड़ रुपये की छूट देने के आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

राकांपा के योग्य सांसदों के खिलाफ अयोग्यता याचिका क्यों की गयी दायर

सुले ने कहा कि अजित पवार गुट ने लोकसभा सदस्य श्रीनिवास पाटिल (सतारा से), मोहम्मद फैजल (लक्षद्वीप से) के अलावा साथ ही राज्यसभा सदस्य फौजिया खान और वंदना चव्हाण को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की है। इस याचिका में पार्टी के संस्थापक एवं राज्यसभा सदस्य शरद पवार,लोकसभा में बारामती का प्रतिनिधित्व करने वाली सुले और शिरूर से लोकसभा सदस्य अमोल कोल्हे का नाम शामिल नहीं किया गया है। सुले ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'आश्चर्य है कि पाटिल, खान और चव्हाण के खिलाफ अयोग्यता की याचिका क्यों दायर की गई जो वर्तमान में कुशलता से काम कर रहे हैं। पाटिल 83 साल के हैं। वह बहुत कुशल हैं और पूरा महाराष्ट्र सांसद के रूप में उनके काम को जानता है। 83 साल के एक व्यक्ति के खिलाफ याचिका एक नयी बात है जिसे मैं देख रही हूं।

आयोग के नोटिस में कहा गया है कि 'पनौती शब्द प्रथम दृष्टया भ्रष्ट गतिविधियों से निपटने वाले जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 पर रोक की समानता में आता है, नोटिस में राहुल गांधी को याद दिलाया गया है कि धारा 123 की उपधारा (ii) के खंड 2 में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो किसी उम्मीदवार या निर्वाचक को यह विश्वास दिलाने के लिए प्रेरित करता है या प्रयास करता है कि वह, या कोई भी व्यक्ति जिसमें वह रुचि रखता है, दैवीय नाराजगी या आध्यात्मिक निंदा का पात्र बन जाएगा या बना जाएगा, उसे ऐसे उम्मीदवार या निर्वाचक के चुनावी अधिकार के स्वतंत्र प्रयोग में हस्तक्षेप करने वाला माना जाएगा।

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में एक चुनावी भाषण में पीएम मोदी के खिलाफ पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था। आम तौर पर पनौती शब्द ऐसे व्यक्ति के लिए इंगित किया जाता है जो बुरी किस्मत लाता है। नोटिस में आयोग द्वारा जारी एक सामान्य परामर्श का भी जिक्र किया गया है, जिसमें चुनाव प्रचार के दौरान 'राजनीतिक संवाद के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की गई थी।

ट्रक ने मारी बाईक को टक्कर पति-पत्नी समेत तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। गांव औरिया और जनकपुरी के बीच टनकपुर हाईवे पर शुक्रवार सुबह ट्रक की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी समेत तीन की मौत हो गई। दंपती का आठ महीने का बेटा गंभीर घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवार में चीख-पुकार मच गई।

» पीलीभीत में दर्दनाक हादसा, आठ माह का बेटा घायल

जानकारी के मुताबिक गांव औरिया निवासी अजयपाल, अपनी पत्नी सरोज कुमारी, बहन सुमन को लेकर बाइक से मेला देखकर लौट रहे थे। सरोज की गोद में आठ महीने का बेटा था। औरिया व जनकपुरी के बीच टनकपुर हाईवे पर सामने से आ रहे भूसी भरे ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही दंपती और युवती की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मासूम बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उधर, हादसे की खबर मिलते ही अजय के परिवार में मातम पसर गया। रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंच गए। बताया गया कि अजय की बहन सुमन की मंगनी बीते सप्ताह ही हुई थी। हादसे ने उनके परिवार की खुशियां छीन लीं है। हादसे से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं।

मां की गोद से छूटकर दूर जाकर गिरा मासूम

आठ माह का बेटा महिला की गोद से छिटक कर दूर जाकर गिरा, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पीछे चल रहे दूसरे ट्रक को पकड़ लिया। उसमें भी भूसी लदी हुई थी। बताया गया है कि दोनों ट्रकों का मालिक एक ही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दूसरे ट्रक चालक से पहले ट्रक की जानकारी ली।

कतर में भारत के आठ पूर्व नेवी अफसरों की याचिका स्वीकार

» कतर में मौत की सजा पाए लोगों पर जल्द होगी अदालत में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोहा। भारत के लिए एक राहत की खबर सामने आयी है। दरअसल भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसरों की याचिका को कतर की कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कतर की कोर्ट जल्द ही उनकी अपील पर सुनवाई कर सकती है। बता दें कि नौसेना के इन आठ पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा सुनाई गई है। आठ पूर्व नेवी अफसरों की मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने यह याचिका दायर की है। कतर की अदालत ने 23 नवंबर 2023 को इसे स्वीकार कर लिया और अब अपील का अध्ययन कर जल्द इस पर सुनवाई शुरू करेगी।

बता दें कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसर कतर में देहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। अगस्त 2022 में इन सभी को गिरफ्तार किया गया। कतर की सरकार ने नौसेना के पूर्व अफसरों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी नहीं दी है। बीती 26 अक्तूबर 2023 को कतर की अदालत ने इन पूर्व अफसरों को मौत की सजा सुना दी। कतर सरकार ने अभी तक आठ भारतीयों पर लगे आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि ऐसी आशंका है कि सुरक्षा संबंधी अपराध के आरोप में यह गिरफ्तारियां हुई हैं। कतर के मीडिया का दावा है कि भारतीय अधिकारी इस्राइल के लिए जासूसी कर रहे थे। भारत सरकार ने भी आरोपों की जानकारी नहीं दी है। गौरतलब है कि गिरफ्तारी के कई दिनों तक इस मामले को गुप्त रखा गया और कतर में मौजूद भारतीय दूतावास के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई। एक अक्तूबर 2022 को दोहा में भारत के राजदूत और मिशन के उप-प्रमुख ने इन पूर्व अफसरों से मुलाकात की। तीन अक्तूबर 2022 को पहला काउंसलर एक्सेस दिया गया।

25 मार्च 2023 को सभी आठों अधिकारियों के खिलाफ आरोप तय किए गए और 29 मार्च से मुकदमा शुरू हो गया। 26 अक्तूबर 2023 को सभी को मौत की सजा सुनाई गई। नौसेना के जिन पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा दी गई है उनमें कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुगनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश शामिल हैं। जिस कंपनी देहरा ग्लोबल के लिए ये भारतीय काम करते थे, उसके सीईओ खामिल अल आजमी ओमान एयरफोर्स के अफसर रह चुके हैं। आजमी को भी पहले हिरासत में लिया गया था लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था।

फोटो :4 पीएम

जागरूकता ट्रैफिक वार्डन अंशु दीक्षित ने हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने वालों को यमराज का डर दिखाकर हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने की दिलाई शपथ।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जगदलपुर । नारायणपुर जिले के बड़े डोंगर थाना क्षेत्र के लोडिंग प्वाइंट पहाड़ी में शुक्रवार की सुबह नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी के चपेट में आने से दो ग्रामीणों की मौत हो गई, वहीं एक ग्रामीण घायल है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पुलिस को नौ बजे सूचना मिली की आमदई खदान के लोडिंग प्वाइंट में नक्सलियों के द्वारा प्रेशर बम को लगाया था, आज सुबह गांव के कुछ लोग वहां से गुजरने के दौरान एक ग्रामीण का पैर आईईडी के ऊपर आ जाने से ब्लास्ट हो गया।

टनल में फंसे श्रमिकों का इंतजार और बढ़ा

» 41 जिंदगियां आजाद होने को बेकरार

» आज बाहर निकलने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तरकाशी सिलक्यारा सुरंग में फंसी 41 जिंदगियां कैद से आजाद होने को बेकरार हैं। हर कोई अच्छी खबर का इंतजार कर रहा है। मजदूरों को बाहर निकालने का उत्साह गुरुवार को दिनभर उतार चढ़ाव लेता रहा। सूरज चढ़ता गया और अड़चनों की वजह से मजदूरों के बाहर आने का इंतजार बढ़ता रहा।

आज शुक्रवार शाम तक मजदूरों के बाहर आने की उम्मीद है। ड्रिलिंग का काम शुरू हो गया। वहीं सुरंग के बाहर परिजन बेसब्री से अपनों के निकालने का इंतजार कर रहे हैं। बुधवार की रात को चले अभियान की रफ्तार से ये उम्मीद जताई जा रही थी कि बृहस्पतिवार की सुबह तक सभी 41 मजदूर सकुशल बाहर आ जाएंगे, लेकिन रात को अमेरिकन ऑगर ड्रिल मशीन की राह में लोहे के सरिये व गाटर आ गए जो टनल के भीतर के स्ट्रक्चर के लिए लगाए गए थे। इससे मशीन का पुर्जा भी टूट गया। मशीन रोकनी पड़ी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।